नागराज और बौना शैतान

मुफ्त
नागराज का
एक पोस्टर

नागराज और बौना शैतान

कथानक: राजा
सम्पादक: मनीषचन्द्र गुप्त
कलानिर्देशन: प्रताप मुलीक
चित्रांकन: चंदू
सुलेख: पालेकणाकर

यह कारें मुझे जान से ज्यादा प्यारी हैं।

तभी –
अरे, यह गन्दा सा नेवला कहाँ से आ गया। हिस्स। हिस्स।

ओह, गायब हो गया कम्बख्त!

लेकिन नेवले फिरंगी के साथ गायब हो गया कारों का जखीरा भी –
??

हाए! मैं बर्बाद हो गया। लुट गया। तबाह हो गया।

यह दृश्य है बम्बई के … बैंक के वाल्ट रूम का। जिसके वाल्ट में विश्व का तीसरा सबसे बड़ा हीरा 'ओलक' जो कि हैदराबाद निजाम के बड़े खजाने का एक हिस्सा है, लावारिस सा पड़ा है —

एक दिन अचानक उस वाल्ट रूम में एक रहस्यमयी चीज दिखाई दी —
यह ... यह नेवला वाल्ट रूम में कैसे आ गया।

गार्ड ने उसे संगीन घोंपनी चाही, किन्तु शिकांगी नेवला गायब हो गया वहीं से —
खटाक

इसके साथ वहां भी वही आश्चर्यजनक दृश्य —
अरे यह पूरा वाल्ट केबिनेट कहाँ गायब हो गया और वह नेवला भी।
सन 1932 से वहां सुरक्षित पड़ा खजाना पलक झपकते ही गायब हो गया।

बम्बई पुलिस के नाम पर थू-थू हो रही है। अति काबिल समझी जाने वाली पुलिस दो दिन में कोई सुराग ना पा सकी चोरी का। ना कोई सेंध ना कोई तोड़-फोड़। खजाना गायब।

मन्दिर के भीतर स्थापित देवी की पांच हजार बरस पुरानी मूर्ति —
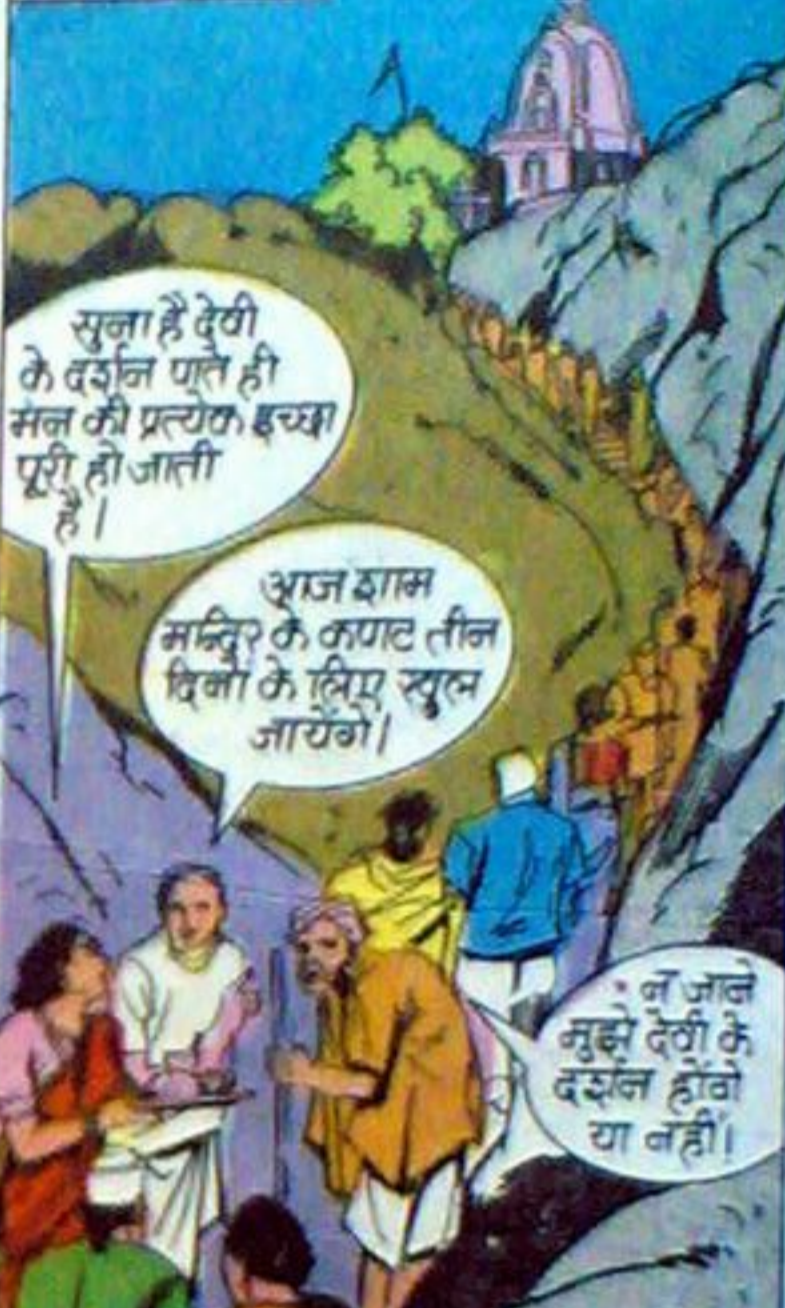
मान्यता थी कि —
सुना है देवी के दर्शन पाते ही मन की प्रत्येक इच्छा पूरी हो जाती है।
आज शाम मन्दिर के कपाट तीन दिनों के लिए खुल जायेंगे।
न जाने मुझे देवी के दर्शन होंगे या नहीं।

सप्ताह भर से पंक्तिबद्ध खड़े भक्तों के लिए मन्दिर के कपाट खुल गए —
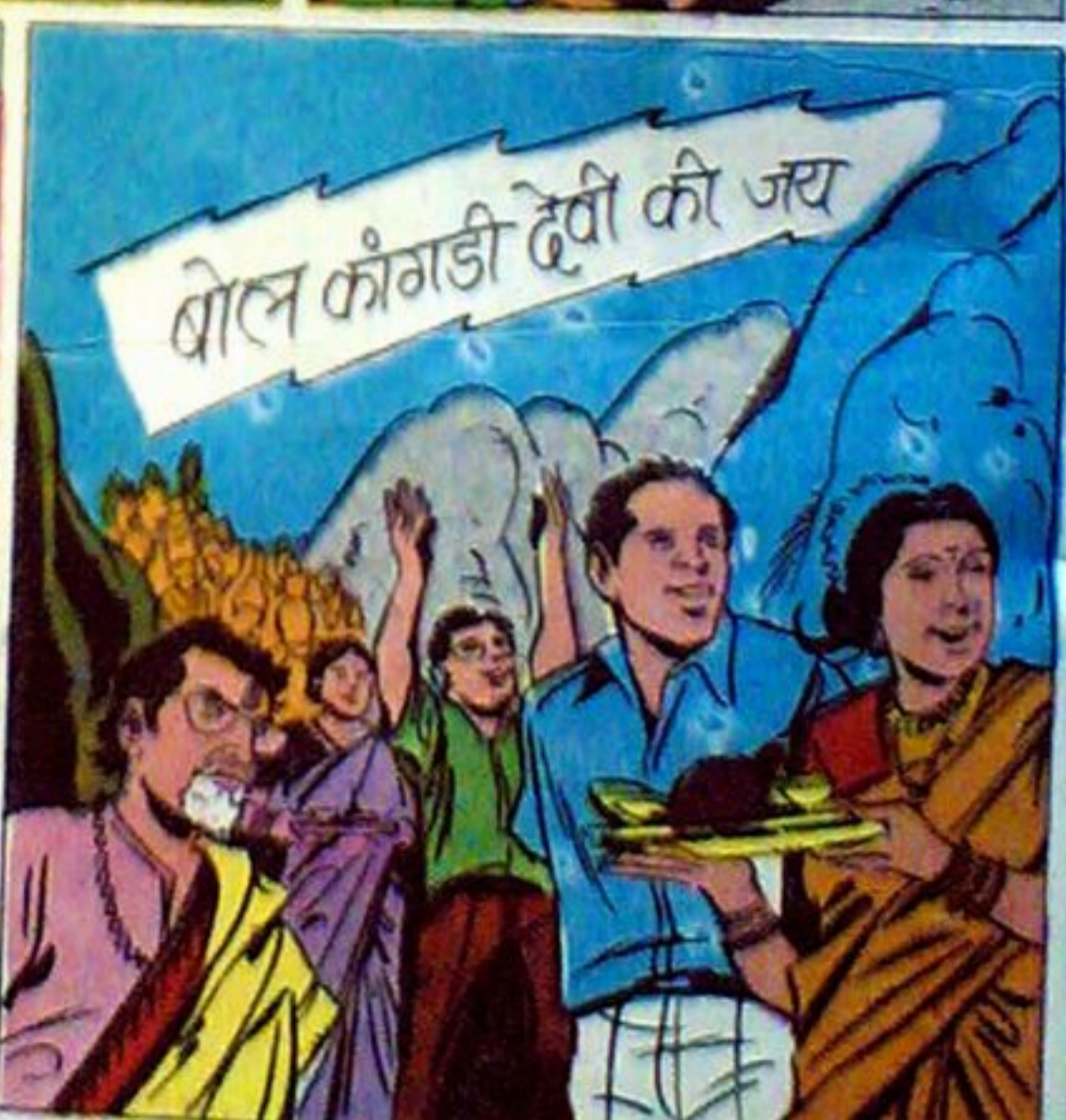
बोल कांगडी देवी की जय

भक्तगण देवी के दर्शनों के लिए पागल से हुए जा रहे थे—

हे माँ, मेरी मुरादें पूरी करो!

म...मूर्ति कैसे उड़ रही है!
हम क्या करें! क...किस पर गोली चलाएं! यह क्या हो रहा है!

भक्तों में हंगामा मचा हुआ था–
देवी रुष्ट हो गई है।
वह मन्दिर छोड़कर जा रही है।
प्रलय होगी।

पुजारी शंकरानन्द चीख पड़ा–
मूर्ति की चोरी हो रही है।
मूर्ति चोरी की जा रही है।

वह रहा चोर! छिपकली! काला नेवला! ग...गोली चलाओ! मार डालो उसे।

मार डालो इसे।

शिफांगी की प्रलयंकारी आँखों से निकली चिंगारियां चट्टानों से टकराई, और –

प्रलय आ गई –
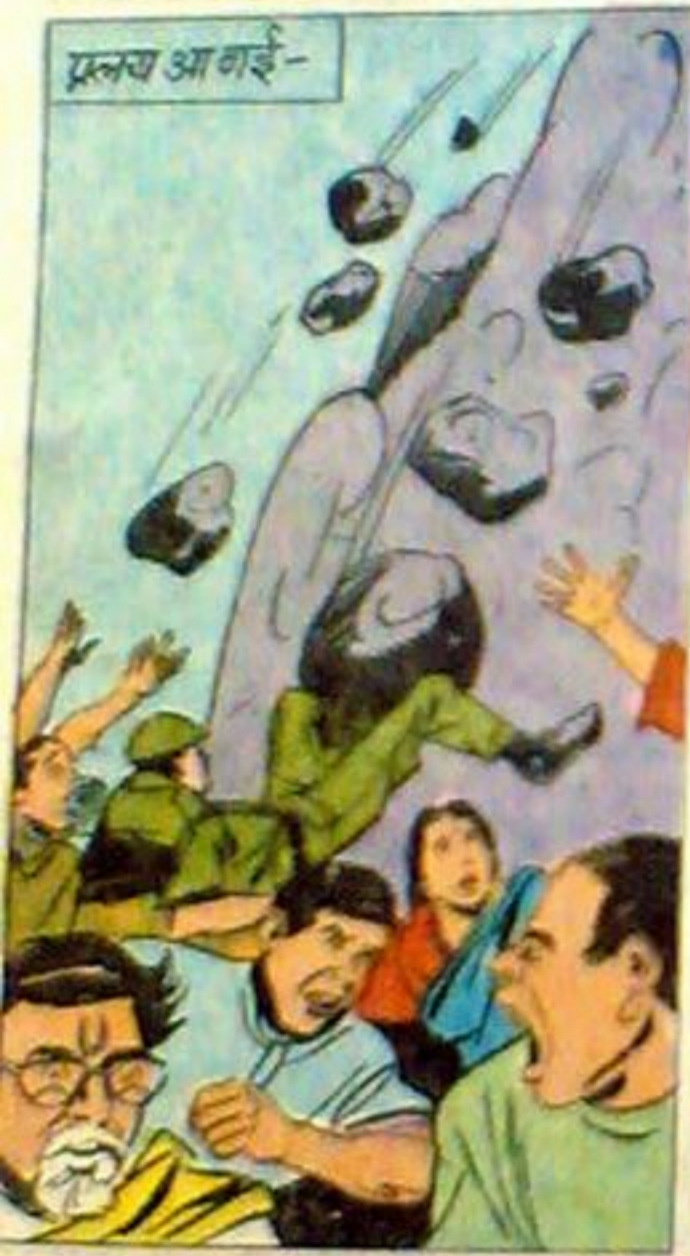
शीघ्र ही प्रलय समाप्त हो गई –
देवी की मूर्ति आराध्य।
शिफांगी आराध्य।
उफ! मूर्ति कहाँ गई ?

नागराज! बैंगलोर के शानदार होटल विंडसर मैनोर में –
सांध्य टाइम्स • शू-चिन मन्दिर से कांगड़ी देवी की पांच हजार बरस पुरानी मूर्ति की रहस्यमय ढंग से चोरी! काला नेवला देखा गया।
दैनिक जागरण

शिकंजी!

शिकंजी का धारक बहुत बड़ा जादूगर होता है।

इसका मतलब कोई शिकंजी का इस्तेमाल उलटे कामों में कर रहा है।

कौन!

बैंगलोर का विश्वविख्यात म्यूज़ियम —
वाह! कितनी सुन्दर-सुन्दर कलाकृतियां हैं। वाकई इन पर किसी एक का अधिकार नहीं होना चाहिए। यह इतिहास की धरोहर तो सबके देखने के लिए ही होनी चाहिए।

तभी मुख्य द्वार पर —
धांय
धांय

उफ! इतनी भीड़ में मैं अपने आपको बहुत बेकल महसूस करता हूं।
हर आदमी हाथ ऊपर कर ले। कोई भी गलत हरकत उसकी जान ले लेगी।

नकाबपोश चोरों ने चुनिंदा कलाकृतियां थैलों में भरनी शुरू कीं —

एक ने टीपू की महान तलवार उठा ली —
वाह! टीपू की तलवार।
सब काम आसानी से हो गया।...

लेकिन वापसी नहीं —
उफ सांप!
और देखते ही देखते पूरा हॉल खाली हो गया —
हां, अब मजा आएगा इनसे लड़ने का। कहो प्यारो, क्यों दंगा मचा रहे थे।
उफ! नागराज! यह इसी शहर में है। अब मारे गए।
सब लोग आगे से फर्स्ट-फ्लोर पर पहुंच जाएं।
फिर शुरू हुई नागराज की करामात —
लुटेरे! चोर!

रुक जाओ नागराज!
सावधान!
टीपू की तलवार म्यान से निकालते ही मुझे अपने अन्दर शक्ति का संचार महसूस हो रहा है।
अरे, मेरे हाथ अपने आप किसी कुशल तलवारबाज की तरह चल रहे हैं।

और नकाबपोश बताता चला गया—

हम यह सब चोरियां बौने शैतान के लिए करते हैं, जो ऐतिहासिक मूल्य के सामान की हर चोर को मुंह मांगा पैसा देता है। बौना शैतान गोवा में सात होटलों के मालिक सर रॉबर्ट का दायां हाथ है। सर रॉबर्ट इस चोरी के माल को इंटरनेशनल बाजार में नीलामी से बेचकर अरबों रुपया कमाता है। उसका मुख्य अड्डा डोनापाला में होटल सी-व्यू में है।

उसके बाद—

सब चोरों को पुलिस को सौंप दिया गया।

वैलकम!
थैंक्यू!

नागराज होटल के रिसेप्शन पर पहुंचा—
हैलो! गुड मार्निंग! व्हाट कैन आई डू फार यू सर!
हाय! गुड मार्निंग आई वान्ट ए रूम आन टॉप-फ्लोर।

नागराज ने अपने कमरे में आते ही होटल के मैनेजर को बुलाया—
कहिए सर! मैं आपकी क्या सेवा कर सकता हूं!
मैं बौना शैतान से मिलना चाहता हूं।

मैनेजर बुरी तरह चौंक पड़ा—
यह आप क्या कह रहे हैं सर! बिग बॉस किसी से नहीं मिलते।
मिलेंगे, जरूर मिलेंगे, मिस्टर मैनेजर!

सॉरी सर! हम आपकी कोई सहायता नहीं कर सकते।
उसे मुझसे मिलना ही पड़ेगा, वरना मैं इस होटल की ईंट से ईंट बजा दूंगा। उसका धंधा मंदा कर दूंगा!
फिर मैनेजर वहां से चला गया।

उसी वक्त से होटल में हंगामा मचना शुरू हो गया—

बचाओ! सांप!

होटल के हर कर्मचारी का वही हाल था—

किचन में—

रिसेप्शन पर—

डोंट हेल्प मी!

कुछ ही देर बाद होटल में भगदड़ मच गई। सारे होटल कर्मचारी होटल छोड़कर भाग गए—

फिर बॉस को बुलाना ही पड़ेगा।

सपेरे बुलाओ।

पुलिस बुलाओ।

और सुबह तक कोई भी इन्तज़ाम न होने की वजह से पूरा होटल खाली हो चुका था –
कमाल है, पूरे होटल में एक भी कर्मचारी नहीं है।
RECEPTION
किसी ने पैसे भी नहीं लिए। लगता है होटल में बम फटने वाला है।
कुछ ही देर बाद बौना शैतान का काफिला वहां आकर रुका –
उसे बुलाकर लाओ। हेडक्वार्टर में।
मिस्टर नागराज! आपको बिग बॉस ने याद किया है।
चलिए।
हेथरिंग्टन सी बीच पर बना अखाड़ा –
वेलकम नागराज! धन्धा तो वाकई मंदा कर दिखाया आपने!
यह तो शुरुआत है शैतान टिंडे, आगे-आगे देख, सर रॉबर्ट के सारे धंधे बन्द करवा दूंगा।

शैतान की बेइज़्ज़ती पर दो पहलवान आगे बढ़े —

तभी शैला शैतान गरजा —
ठहरो! नियमों से लड़ो इससे।

नियम —
मैं कसम उठाता हूं की नागराज को खत्म कर दूंगा, नहीं तो अपनी जान दे दूंगा।

फिर शुरू हुई जंग —
मार्शल आर्ट फाइटर है ईगल स्टाइल में लड़ेगा।

और दोनों भिड़ गए —
हाए!

नागराज ने प्रतिद्वंदी को पलों में धराशायी कर दिया।

उफ!
बेबस सा कर
दिया बंदर
पहलवान ने।

नागराज ने कलाबाजी खाई –
फिर नागराज ने उसे कोई मौका नहीं दिया –
मंकी फाइटर पस्त होकर रेतीली जमीन पर गिरा –
ये गई बाहर तेरी बांह।
कड़ाक
मंकी फाइटर का भी वही हश्र हुआ जो ईगल फाइटर का शैतान ने किया था –
मुझे अफसोस है अपने सिपहसालार की मौत पर।
धांय
और अब भी यह पता ना चला कि गोली बिना रिवॉल्वर के कैसे चली।
फिर शैतान ने नया हुक्म सुनाया –
सब टूट पड़ो इस पर। खत्म कर दो इसे।
टूट गए सब नियम शैतान के।
उसे भी शायद नागराज की असीमित ताकत का अन्दाज हो गया था।

मार्शल आर्ट फाइटर्स ने नागराज को घेर लिया—
हम सब इसे मसल देंगे! यह अकेला है!

लेकिन नागराज को अकेला समझने की उनकी भूल...

...उन्हें महंगी पड़ी! और—
हाय साँप!

नागसेना फाइटर्स पर टूट पड़ी—

सब निकम्मे भर्ती थे मेरी सेना में!
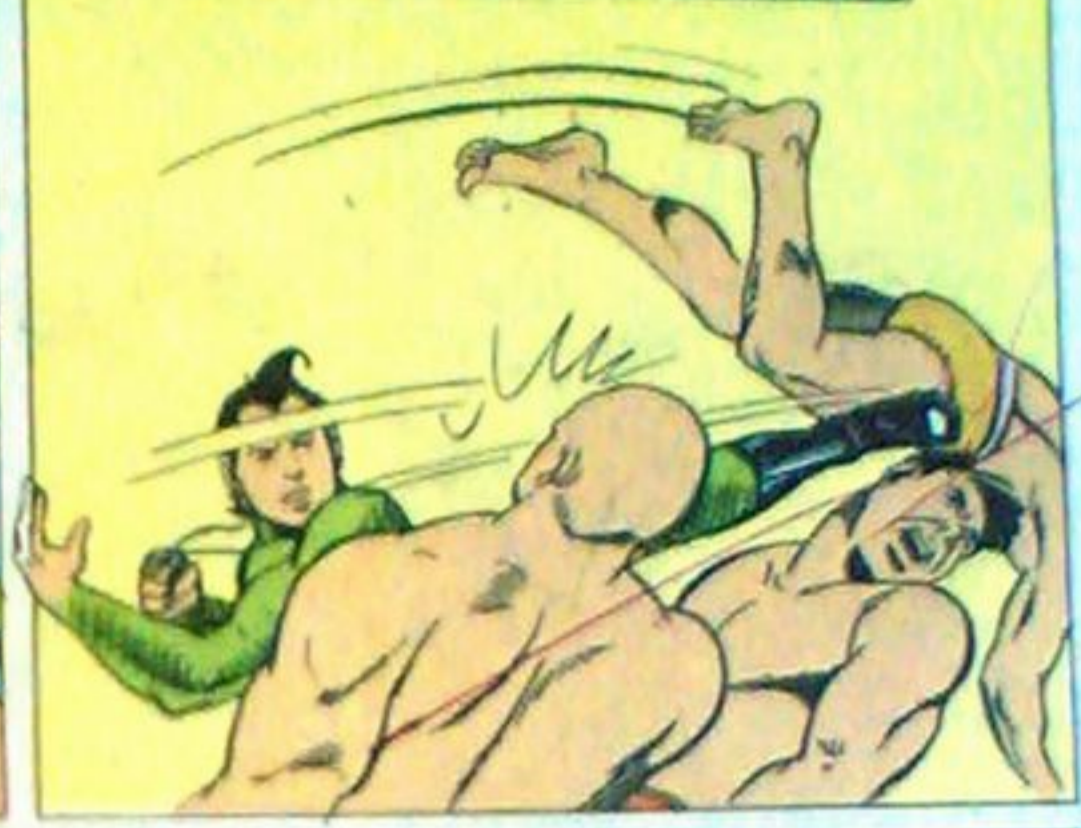
बस, नागराज! रुक जाओ! अब तुम्हारी ज़िन्दगी का फैसला मैं करूंगा।

शैतान ने बाएं हाथ की उंगलियां आगे फैलायीं–

माहौल में सन्नाटा छा गया। समुद्र की लहरें भी बे आवाज किनारे से टकरा रही थीं–

वह उछला–
चर्र्र्र
चर्र

हर फन का माहिर शैना शैतान नागराज पर टूट पड़ा–
ओह! मुझे डराना चाहता है! स्नेक स्टाइल में लड़ रहा है।

पर अब नागराज ने वार किया –

उफ़! यह तो बहुत फुर्तीला है। मेरे सभी वार बचा जाता है।

इधर काले नेकाबे शैतानों का आतंक सिर चढ़कर बोल रहा था कि अगले दिन के न्यूज पेपर में छपे एक विज्ञापन ने धमाका कर दिया—

ताजमहल की चोरी

आवश्यकता है आगरा स्थित विश्व के आठवें आश्चर्य ताजमहल की चोरी करने वाले सुपर चोरों की। पारिश्रमिक: कुवैत जैसा एक छोटा देश। सम्पर्क करें -- कमरा नं. 420, नकाबपोश। होटल सी-मैरिन, गोवा।

जिसने पढ़ा वही दंग। जिसने सुना, हैरान-परेशान—

नया धमाका! ताजमहल की चोरी...

ताजमहल की चोरी! असम्भव!

ताजमहल की चोरी कोई कैसे करेगा?

विज्ञापन वाला जरूर पागल है।

या फिर सनकी!

हमारे अखबार में विज्ञापन देने पर रोक नहीं लगी है, कमिश्नर साहब...

...आप चाहें तो लाल किले की चोरी का विज्ञापन दे सकते हैं।
बकवास बन्द कीजिए। आप मार्किट से अपना सारा स्टाक, तुरन्त हटवाने की तैयारी कर लें, वरना हमें कोई कार्यवाही करनी पड़ेगी आपके खिलाफ।

हैलो... ओवर... हैलो। होटल सी-मेरिन में तुम अज्ञात नकाबपोश को हिरासत में लो। ओवर...

और ये दौड़ पड़ीं होटल सी-मेरिन की तरफ —

अगले कुछ ही मिनटों में होटल सी-मेरिन का घेराव कर लिया गया —
कोई भीतर न जाए। न ही कोई बाहर जाने पाए।

आ जाइये इंस्पेक्टर साहब! दरवाजा खुला है।

ओह! नकाबपोश!

नकाबपोश वाली कुर्सी घूम गई, और—

आप चाहें तो बैठ सकते हैं, इंस्पेक्टर!

ओ! थैंक्स!

यह विज्ञापन देने वाले नकाबपोश तुम ही हो!

सौ प्रतिशत मैं ही हूं।

तब फिर मुझे तुम्हें हिरासत में लेने का ऑर्डर है।

मेरा जुर्म?

ये विज्ञापन।
विज्ञापन छपवाना कोई जुर्म नहीं है इंस्पेक्टर! हां, अगर मैंने सचमुच ताजमहल की चोरी कर ली होती तो जुर्म होता...

...अगर ताजमहल चोरी की जाने योग्य वस्तु होती तो जुर्म होता।

इंस्पेक्टर! क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि ताजमहल चोरी किया जा सकता है?
जी...नहीं! म...मगर?

जब आप खुद कह रहे हैं कि ताजमहल चोरी नहीं किया जा सकता तो फिर मुझे हिरासत में क्यों भेजा चाहते हैं आप!

तब फिर ऐसा विज्ञापन छपवाने का क्या मतलब है।
मेरी सनक। मैं देखना चाहता हूं कि इस धरती पर क्या कोई ऐसा इन्सान भी है, जो ताजमहल की चोरी की स्कीम बना सके।

और थोड़ी देर की बातचीत के बाद इंस्पेक्टर को
के साथ वापस लौटना पड़ा –
अजीब सनकी इंसान है। ताजमहल की चोरी हो ही नहीं सकती और ये करवाने पर तुला हुआ है।

नागराज होटल के एक कमरे में आराम कर रहा है –
उठो नागराज।

नागराज तत्काल उठ बैठा –
प्रणाम गुरुजी, क्या आदेश है।
नागराज एक बुरी खबर है। शाकुरा मेरी गिरफ्त से फरार हो चुका है।

वह बुरी तरह चौंक उठा –
क्या! यह क्या कह रहे हैं गुरुवर! यह सब कैसे हुआ!
यह मैं तुम्हें अभी नहीं बता सकता नागराज!

सुनिए बाबा, मुझे और भी कुछ कहना है।
अभी मैं जल्दी में हूं। मैं तुम्हें सावधान करने आया था।
इसके के बाद गुरु गोरखनाथजी अंतर्धान हो गए। नागराज उनसे शिकांगी के बारे में कुछ न पूछ पाया।
☆ गुरु गोरखनाथ के विषय में जानने के लिए पढ़ें नागराज सीरीज की प्रथम कॉमिक्स 'नागराज'

उधर होटल ली मैरीडिन में –
छिड़कऽऽ चीं ऽऽऽ
खिड़की पर विराजमान था काला नेवला शिकांगी। तभी कमरे में गूंजा एक अट्टहास –
हा हा हा हा!
नेवला!
कौन हो तुम!
सुप्रीम बॉस! शिकांगी नेवला मेरा गुलाम है।
शीकांगी नेवला, सुप्रीम बॉस!
लेकिन तुम सामने क्यों नहीं आते!
सामने भी आऊंगा मिस्टर नकाबपोश! लेकिन ताजमहल की चोरी के बाद। यहां तुम सिर्फ मेरी आवाज ही सुन सकते हो।

मैं कल ताजमहल की चोरी कर लूंगा। लेकिन अगर तुम अपने वायदे से मुकरे तो बड़ी भयानक मौत भी तुम्हें मैं ही दूंगा।
ओह! यह क्या? मुझ पर बेहोशी छा रही है। उफ! अंधकार?
क्या सचमुच ताजमहल की चोरी होगी?
नकाबपोश कौन है? ताजमहल की चोरी क्यों करवाना चाहता है वह?
जादूगर शाकूरा गोरखनाथ की कैद से कैसे छूटा?
क्या नागराज सुप्रीम बॉस तक पहुंच सका?
सुप्रीम बॉस, शिकांगी व नागराज की बेमिसाल टक्कर।
नागराज और ताजमहल की चोरी
अगले सैट में प्रकाशित